यूपी को नए भारत का ग्रोथ इंजन बनाने में सहभागी बनेंगे तमिलनाडु के उद्यमी

चेन्नई पहुंची मंत्रियों की टीम, उद्यमियों को निवेश के लिए किया आमंत्रित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को नए भारत का ग्रोथ इंजन बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों में तमिलनाडु के उद्यमी भी सहभागी बनेंगे। चेन्नई के आइटीसी ग्रैंड चोला में सोमवार को प्रदेश के मंत्रियों के साथ हुई बिजनेट टू गवर्नमेंट (बीटूजी) मीटिंग और रोड शो के दौरान दक्षिण भारत के उद्योगपतियों ने यूपी में में सालिड वेस्ट मैनेजमेंट, पेट्रोकेमिकल, डिफेंस, ट्रांसपोर्ट, उच्च शिक्षा, होटल एंड डिस्टलरीज, सौर ऊर्जा, हेल्थ केयर, शुगर मिल तथा वित्तीय सेवाओं में निवेश की इच्छा जताई।

रोड शो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो संदेश के जरिए तमिलनाडु के उद्यमियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। वहीं, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि उनकी हर सुविधा का ख्याल रखा जाएगा। मंत्री नितिन अग्रवाल, असीम अरुण और नरेंद्र कश्यप के साथ हुई बैठक में दक्षिण भारत के उद्यमियों ने कहा कि ऐसा पहली बार है जब उप्र की किसी सरकार ने तमिलनाडु के कारोबारियों को विकास में साझीदार बनाने की पहल की है। तमिलनाडु के उद्यमी भी उप्र को नए भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य करते देखना चाहते हैं। निवेशकों ने हाल ही में वाराणसी में हुए काशी तमिल संगमम को तमिलनाडु से प्रगाढ़ता बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास बताया। प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर व आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन ने यूपी में निवेश के बेहतरीन अवसरों के बारे में प्रस्तुत दी।

निवेशकों ने साझा किए अनुभव

प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में कार्य करने वाली पैटर्सन एनर्जी के अमरनाथ ने बताया कि उनकी कंपनी मथुरा में नगर निगम के साथ मिलकर प्लास्टिक वेस्ट साल्यूशन के क्षेत्र में कार्य कर रही है। हम प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में आगे भी बड़े स्तर पर निवेश को इच्छुक हैं। सीट्रेक्स पेट्रोकेमिकल्स के एमडी इल्लेना ने कहा कि गुजरात व महाराष्ट्र के बाद उप्र में केमिकल इंडस्ट्री में अपार संभावनाएं हैं। कंपनी की इच्छा यूपी में पेट्रोकेमिकल सेक्टर में निवेश करने की है। मेल्स सिस्टम एंड सर्विसेज के एमडी टी श्रीनिवासन ने बताया कि उनकी कंपनी डिफेंस कारीडोर में निवेश के लिए इच्छुक है। फिक्की तमिलनाडु राज्य काउंसिल के चेयरमैन और ट्रिविट्रान ग्रुप के सीएमडी जीएसके वेलु, एचसीएल ग्रुप पब्लिक पालिसी प्रमुख कीर्ति करमचंदानी, एपीरान हेल्थकेयर की निदेशक अनीता मदाला और पैटर्सन एनर्जी के अमरनाथ ने भी अपने अनुभवों को साझा किया।

जर्मनी, बेल्जियम और स्वीडन की कंपनियां करेंगी 17 हजार करोड़ का निवेश

यूरोप की नामचीन कंपनियां उप्र में 17 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। सैमसन, मदरसन और सेरनेका इंटरनेशनल ग्रुप जैसी छह मल्टीनेशनल कंपनियों ने प्रदेश सरकार से इस संदर्भ में एमओयू की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इन कंपनियों के निवेश से यूपी में 21 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर की मल्टीनेशनल कंपनी सैमसन, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में दो हजार करोड़ का निवेश करेगी। आटोमोबाइल एंसिलरी में मदरसन कंपनी 500 करोड़ का निवेश करेगी। बेल्जियम के ब्रुसेल्स शहर की एग्रीस्टो मासा और जेमिनी कारपोरेशन ने निवेश के प्रस्ताव दिए हैं। स्वीडन के स्टाकहोम की सेरनेका इंटरनेशनल ग्रुप और बोसान एनर्जी दस हजार करोड़ का निवेश करेंगी।